RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 316
दि. 20.03.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'जिस आस्था को कभी अंधविश्वास बताकर अपमानित किया गया, उसी पर आज गर्व किया जा रहा है'.. सीएम योगी का विपक्ष पर निशाना

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी से भेंट की।

इस अवसर पर सीएम योगी ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'जिस आस्था को पहले अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया, वही लोग उस समय सत्ता में थे। कुर्सी बचाने के लिए वे नोएडा जाने से कतराते थे

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये वही लोग हैं जो अपनी कुर्सी बचाने के लिए नोएडा जाने से कतराते थे। वह उन्हें अंधविश्वास नहीं लगता था। लेकिन राम मंदिर की बात करना, काशी में काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण या मथुरा-वृंदावन का उल्लेख करना उन्हें अंधविश्वास और रूढ़िवादिता लगता था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार शाम लगभग 5 बजे वृंदावन पहुंचेंगी। उनके स्वागत को लेकर शहर में व्यापक स्तर पर सजावट और व्यवस्थाएं की गई हैं।

राष्ट्रपति के आगमन के बाद वे होटल रेडिसन में ठहरेंगी और शाम करीब 6:30 बजे इस्कॉन मंदिर, वृंदावन से अपने धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत करेंगी।

इसके बाद उनके प्रेम मंदिर, नीब करौरी आश्रम, उड़िया बाबा आश्रम और रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में दर्शन करने का कार्यक्रम निर्धारित है।

एक मंच पर जुटेंगे विशेषज्ञ, योगी होंगे मुख्य अतिथि

विश्व वानिकी दिवस (21 मार्च) के अवसर पर लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में देशभर के विशेषज्ञों का एक मंच पर जुटान होगा। इसमें राज्यों में चल रहे वनीकरण, वन संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन से जुड़े कार्यों की समीक्षा और अनुभवों को साझा किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर रामलला के दर्शन किये

श्री राम यंत्र स्थापना करने से, राम राज्य के आदर्शों का पालन करते हुए, हम नैतिकता और धार्मिक आचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (19 मार्च, 2026) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर राम लला के दर्शन किये। उन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर के भीतर विभिन्न स्थानों पर दर्शन एवं आरती की और श्री राम यंत्र स्थापना और पूजन भी किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि अयोध्या नगरी की पवित्र धूलि का स्पर्श करना ही उनका परम सौभाग्य है, यह वही पवित्र नगरी है जहां प्रभु श्री राम का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि चैत्र शुक्ल संवत्सर 2083 के प्रारंभ और नवरात्रि के पहले दिन यहां उपस्थित होना उनके लिए वास्तव में एक सौभाग्य है।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस अत्यंत पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन, यहां राम लला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण के दिन हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से हम इन लक्ष्यों को 2047 तक, शायद उससे भी पहले, प्राप्त कर लेंगे।

21वीं सदी में, हमारे समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना राम राज्य के वर्णन में प्राप्त होती है। गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि राम-राज्य में न कोई दुखी है, न निर्धन है, न परावलंबी है, न बुद्धिहीन है और न ही कोई संस्कारहीन है।

राष्ट्रपति ने कहा कि राम राज्य का आदर्श आर्थिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के उच्चतम मानकों को प्रस्तुत करता है। प्रभु श्री राम के जीवन के अनेक उदाहरण सर्वव्यापी और समावेशी जीवन दर्शन के आदर्श को दशार्ते हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समकालीन संदर्भ में सामाजिक समावेश और आर्थिक न्याय सहित राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और उन्हें क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राम राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश का पुनर्जागरण आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सभी आयामों में हो रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिकों को एकता की भावना से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम के प्रति भक्ति के पवित्र बंधन से एकजुट होकर और सभी के प्रति आत्मीयता की भावना रखते हुए, हमें राष्ट्र निर्माण में संलग्न होना चाहिए।

निवारक स्वास्थ्य देखभाल और आरोग्य को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के बीच साझेदारी

(जीएनएस)।

सुरक्षा बलों के बीच निवारक स्वास्थ्य देखभाल और समग्र स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आयुष मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के अधीन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य सीआईएसएफ कर्मियों और उनके परिवारों के बीच आयुष-आधारित निवारक स्वास्थ्य देखभाल, आरोग्य, योग, तनाव कम करने और समग्र स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना है।

इस समझौते पर आयुष मंत्रालय के सलाहकार(आयु.) डॉ. ए.रघु और सीआईएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली की महानिरीक्षक (प्रशासन) श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और सीआईएसएफ के महानिदेशक श्री प्रवीर रंजन (आईपीएस) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस समझौते का उद्देश्य दोनों संगठनों के बीच समन्वय को बढ़ाना है ताकि सीआईएसएफ कर्मियों को आयुष-आधारित निवारक, संवर्धनात्मक और आरोग्य सेवाएं प्रदान की जा सकें। इसके मुख्य फोकस क्षेत्रों में जागरूकता पैदा करना, आयुष की जानकारी देने, आरोग्य समाधानों, योग अभ्यास, जीवनशैली सुधार और आयुष प्रणालियों के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य देखभाल शामिल है। यह पहल सीआईएसएफ के प्रतिष्ठानों में, जहाँ भी संभव हो, आयुष ओपीडी सेवाएं प्रदान करने की संभावनाओं पर भी विचार करेगी।

इस समझौता ज्ञापन की शर्तों के तहत, आयुष मंत्रालय तकनीकी सहायता प्रदान करेगा, आरोग्य मॉड्यूल विकसित करेगा और अपने संस्थानों एवं अनुसंधान परिषदों के माध्यम से विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा। दूसरी ओर, सीआईएसएफ अपनी विभिन्न इकाइयों और प्रतिष्ठानों में इन पहलों के कार्यान्वयन को सुगम बनाएगा।

यह साझेदारी सुरक्षाकर्मियों के दैनिक जीवन में चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उनके स्वास्थ्य, जुझारूपन और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार होगा।

यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए जाने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने उगादी, गुड़ी पड़वा, नवरेह, साजिबू चेइराओबा और चेटीचंड के अवसर पर शुभकामनाएं दीं

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में मनाए जा रहे विभिन्न पारंपरिक नव वर्ष उत्सवों के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

श्री अमित शाह ने एक्स पर कई पोस्टों में कहा, "कर्नाटक के सभी लोगों को उगादी की हार्दिक शुभकामनाएं। नव वर्ष का स्वागत करने वाला यह त्योहार सभी के जीवन में आनंद, एकता और समृद्धि लाए।"

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने तेलुगु समुदाय को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा, "परभव नाम संवत्सर के इस शुभ अवसर पर सभी तेलुगु वासियों को उगादी की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी हार्दिक कामना है कि यह नया साल आप सभी के जीवन में शांति, अच्छा स्वास्थ्य और खुशियां लेकर आए।"

केंद्रीय मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने बागपत में किया एआई आधारित अपैरल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन, ग्रामीण युवाओं को मिलेगा लाभ

(जीएनएस)।

देश के ग्रामीण युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बागपत में एक बड़ी शुरूआत हुई है। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने बागपत में चौधरी अजीत सिंह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उङ्गए) फॉर डिजाइन एंड फैशन टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया। इस केंद्र की स्थापना अपैरल, मेड-अप्स एंड होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल' (एएमएचएसएससी) द्वारा की गई है। इस अवसर पर केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी अमित मीणा, एएमएचएसएससी के चेयरमैन पद्मश्री डॉ. ए. सक्थिवेल और सीईओ आशीष श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उद्घाटन के मौके पर श्री जयन्त चौधरी, कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि यह केंद्र नई तकनीकों के साथ कौशल विकास को जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे ग्रामीण युवाओं को रोजगार, उद्यमिता और नवाचार के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने बताया कि अपैरल सेक्टर देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले क्षेत्रों में से एक है और हर साल करीब 80 लाख लोगों को रोजगार देता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए यह एक बड़ा अवसर है और इस तरह के सेंटर युवाओं के लिए नए रास्ते खोलेंगे।

पद्मश्री डॉ. सक्थिवेल, चेयरमैन, एएमएचएसएससी ने कहा कि यह केंद्र युवाओं को भविष्य के फैशन और अपैरल उद्योग के लिए तैयार करेगा। यहां एआई आधारित ट्रेनिंग और आधुनिक तकनीकों के जरिए कुशल कार्यबल तैयार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि करीब 9,000 वर्ग फुट में बने इस केंद्र पर लगभग 5 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। यहां 3 स्मार्ट क्लासरूम, 43 आधुनिक सिलाई मशीनें (जिनमें 8 अक आधारित हैं), उअऊ-उअट सिस्टम, 3ऊ डिजाइन सॉफ्टवेयर और अन्य आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। केंद्र में डिजिटल वर्कस्टेशन, कंप्यूटरीकृत एंब्रॉयडरी यूनिट और सिमुलेशन आधारित ट्रेनिंग की सुविधा भी है, जिससे इंडस्ट्री जैसा माहौल मिलेगा। यह केंद्र अपैरल और फैशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट, नवाचार और इंडस्ट्री के साथ सहयोग का आधुनिक हब होगा।

आशीष श्रीवास्तव, सीईओ, एएमएचएसएससी ने कहा कि भारत के परिधान उद्योग में महिलाओं का अधिक योगदान हैं, और यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस उनके सशक्तिकरण के लिए तैयार किया गया है।

ग्रामीण पेयजल व्यवस्था : महाराष्ट्र ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

केंद्र और राज्य सरकार ने हर घर तक पेयजल सेवा सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण पाइपलाइन नेटवर्क में सुधार के लिए हाथ मिलाया

(जीएनएस)।

ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आज महाराष्ट्र और केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही महाराष्ट्र औपचारिक रूप से जल जीवन मिशन 2.0 के सुधार-आधारित कार्यान्वयन ढांचे में शामिल हो गया है, जिसे 10 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी गई थी।

इस समझौता ज्ञापन पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के जलापूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री श्री गुलाबराव पाटिल और महाराष्ट्र की राज्य मंत्री श्रीमती मेघना बोर्डीकर साकोरे की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए, जो ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की संयुक्त सचिव (जल) श्रीमती स्वाति मीना नायक और महाराष्ट्र सदन की रेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव श्रीमती आर. विमला के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन ने देश भर के ग्रामीण जलापूर्ति में क्रांतिकारी बदलावा लाया है। मिशन ने अब तक 80% ग्रामीण परिवारों को नल से जल के कनेक्शन उपलब्ध करा दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन 2.0 का ध्यान सुनिश्चित सेवा वितरण, जवाबदेही और संरचनात्मक सुधार के साथ दीर्घकालिक स्थिरता पर है। उन्होंने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के प्रति सरकार की 'जीरो-टोलरेंस' नीति को भी दोहराया।

केंद्रीय मंत्री ने एसबीआई रिसर्च का हवाला देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन ने लगभग 9 करोड़ महिलाओं को पानी लाने की दैनिक मशक्कत से मुक्ति दिलाई है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्ययन का उल्लेख करते हुए बताया कि नल से सुरक्षित पेयजल की पहुंच से महिलाओं के प्रतिदिन लगभग 5.5 करोड़ घंटे बच सकते हैं।

और डायरिया जैसी बीमारियों से होने वाली करीब 4 लाख वार्षिक मौतों को रोका जा सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन केवल एक योजना नहीं, बल्कि जीवन में बदलाव लाने वाला अभियान है, जो स्वास्थ्य, गरिमा और जीवन स्तर में सुधार ला रहा है, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण समुदायों के लिए। इसलिए हर गांव में नियमित और निरंतर जल आपूर्ति सुनिश्चित करना आवश्यक है और जन शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री के आ'ान का उल्लेख करते हुए उन्होंने राज्य से जल स्रोतों की स्थिरता और जल संरक्षण पर भी ध्यान देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने जल जीवन मिशन के बदलावकारी प्रभाव की सराहना की और हर ग्रामीण घर को टिकाऊ, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति के साथ, राज्य कार्यों की गुणवत्ता पर अधिक जोर देगा।

अपने संबोधन में, उन्होंने आगे कहा कि संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति के साथ, राज्य कार्यों की गुणवत्ता पर अधिक जोर देगा और जल जीवन मिशन 2.0 के उद्देश्यों को साकार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मिशन के सार्वभौमिक घरेलू नल जल कवरेज प्राप्त करने के मुख्य एजेंडे से सीखे गए अनुभवों के आधार पर, राज्य ग्रामीण पेयजल आपूर्ति प्रणालियों को मजबूत करने और मिशन के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर काम करेगा।

सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन के हिस्से के तहत, ग्रामीण पेयजल सेवाओं की गुणवत्ता, नियमितता और विश्वसनीयता पर सामुदायिक फीडबैक लेने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर 'जल सेवा आकलन' किया जाएगा। जल सेवा आकलन के तहत दर्ज की गई प्रतिक्रियाएं वास्तविक सेवा वितरण परिणामों को प्रतिबिंबित करेंगी और 'मेरी पंचायत' एप्लीकेशन के माध्यम से नागरिकों को दिखाई देंगी, जिससे जल शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सामुदायिक भागीदारी मजबूत होगी।

जन भागीदारी को और अधिक संस्थागत बनाने के लिए, समझौता ज्ञापन में 'जल उत्सव' मनाने का प्रावधान है, जो स्थानीय संस्कृति के भीतर जल जागरूकता और प्रबंधन को शामिल करने के उद्देश्य से एक संरचित त्रि-स्तरीय वार्षिक अभियान है। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर जल महोत्सव, राज्य स्तर पर राज्य जल उत्सव / नदी उत्सव और ग्राम पंचायत स्तर पर लोक जल उत्सव शामिल हैं, जिसमें पानी के स्थानीय सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

गुजरात यूसीसीः मुस्लिम महिलाओं को हलाला से आजादी, दूसरी शादी पर 7 साल जेल! लिव-इन तक पर सख्त नियम

उत्तराखंड के बाद अब गुजरात भी

यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) लागू करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। राज्य कैबिनेट ने 'गुजरात समान नागरिक संहिता (वउउ), 2026' के मसौदे को मंजूरी दे दी है और इसे विधानसभा सचिवालय भेज दिया गया है। सरकार की कोशिश है कि मौजूदा बजट सत्र में ही इस विधेयक को पास करा लिया जाए। अगर ऐसा होता है तो गुजरात देश का दूसरा राज्य बन जाएगा जहां सभी धर्मों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू होगा।

पिन से भी छोटे छेद द्वारा यूपी की पहली 'कीहोल' हार्ट सर्जरी

बिना छाती की हड्डी काटे छोटे से चीरे द्वारा चार वर्ष के बच्चे के दिल के छेद की जटिल सर्जरी कर अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ ने रचा नया कीर्तिमान

– मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी तकनीक से सर्जरी के बाद दो दिन में ही मिली हॉस्पिटल से छुट्टी

लखनऊ. - राजधानी स्थित अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक चार वर्षीय छोटे बच्चे की जटिल हार्ट सर्जरी नई तकनीक से सफलतापूर्वक पूरी कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उत्तर प्रदेश में पहली बार हुआ, जब इतने छोटे बच्चे के दिल के छेद को 'कीहोल' तकनीक यानी बेहद छोटे चीरे के माध्यम से बंद किया गया।

बच्चे को लंबे समय से फेफड़ों में बार बार संक्रमण हो रहा था और उसे सांस लेने में भी परेशानी रहती थी। जांच में पता चला कि उसके दिल में छेद है। आमतौर पर ऐसी स्थिति में पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी की जाती है, जिसमें सीने में सामने की तरफ बड़ा चीरा (लगभग 15 से मी का) लगाया जाता है और मरीज को सर्जरी के बाद कई दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ता है।

अपोलोमेडिक्स में इस जटिल सर्जरी को अत्याधुनिक 'मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी' तकनीक से किया गया। इसमें बच्चे के कंधे के नीचे बगल के हिस्से में सेफ्टी पिन जितना (लगभग 3 से मी) का एक छोटा सा चीरा लगाया गया और उसी रास्ते से दिल का ऑपरेशन पूरा किया गया। इस दौरान हृदय को बायपास मशीन पर रखकर दिल के छेद को बंद किया गया।

इस सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में कार्डियक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ राहुल भूषण ने बताया "छोटे बच्चों में यह सर्जरी करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि उनका हृदय आकार में बहुत छोटा होता है। डॉ राहुल भूषण ने इस तकनीक में विशेष प्रशिक्षण सिंगापुर के नेशनल हार्ट सेंटर में प्राप्त किया है। वहां उन्होंने मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी में एक वर्ष की फेलोशिप की, जिसके बाद इस तकनीक को लखनऊ में शुरू किया गया।

उन्होंने बताया, 'छोटे बच्चों का दिल आम तौर पे वयस्क व्यक्ति के दिल से 3 से 4 गुना छोटा होता है। ऐसे में सर्जरी के दौरान बच्चों के दिल तक छोटे चीरे द्वारा पहुंचना और बायपास मशीन से जोड़ना तकनीकी रूप से कठिन होता है। नई तकनीक और आधुनिक मशीनों की मदद से अब इतने छोटे बच्चों में भी यह सर्जरी संभव हो पाई है। वयस्कों में दिल और फेफड़ों के कार्य को सुचारु रखने वाली बायपास मशीन से जोड़ने की प्रक्रिया आमतौर पर जांघ के ऊपरी हिस्से यानी ग्रोइन में मौजूद फीमोरल रक्त वाहिकाओं के माध्यम से की जाती है। लेकिन बच्चों में ये फीमोरल रक्त वाहिकाएं पूरी तरह विकसित नहीं होतीं। इसलिए बायपास मशीन के लिए ट्यूब लगाने की प्रक्रिया उसी छोटे चीरे से करनी पड़ती है, जहां से सर्जरी की जा रही होती है। इससे सर्जरी और कठिन हो जाती है, क्योंकि उसी छोटे स्थान से कई ट्यूब दिल में लगानी पड़ती हैं और सर्जिकल प्रक्रिया करने की जगह भी कम हो जाती है।"

डॉ राहुल भूषण ने बताया कि इस सर्जरी में लगभग तीन घंटे का समय लगा। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें हड्डी या मांसपेशी को नहीं काटा जाता, रक्तस्राव कम होता है और मरीज की रिकवरी बहुत तेज होती है। उन्होंने कहा, 'इस प्रक्रिया में बच्चे को केवल एक दिन आईसीयू में रखना पड़ा और दो दिन में ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई। पहले यह माना जाता था कि हृदय सर्जरी के बाद मरीज को पांच से दस दिन तक अस्पताल में रहना पड़ता है, लेकिन नई तकनीक से यह धारणा बदल रही है।'उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार की सर्जरी से शरीर पर बड़ा निशान नहीं बनता, वह सामान्य जीवन जी सकता है इसलिए बच्चे को आगे खेलकूद या रक्षा सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भी जाने पर कोई बाधा नहीं आती।

अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीईओ और एमडी डॉ मयंक सोमानी ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के हेल्थ सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया, "हमारा उद्देश्य है कि अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकें उत्तर प्रदेश के मरीजों तक पहुंचें ताकि लोगों को बड़े शहरों या विदेश जाने की जरूरत न पड़े। अपोलोमेडिक्स में विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक तकनीक की मदद से जटिल सर्जरी भी सुरक्षित तरीके से की जा रही हैं।"

इस सफल सर्जरी के बाद बच्चे का दिल पूरी तरह सामान्य तरीके से काम कर रहा है और डॉक्टरों के अनुसार वह अब पूरी तरह स्वस्थ है। इस तकनीक के आने से भविष्य में बच्चों में होने वाली जटिल हृदय सर्जरी अधिक सुरक्षित बन सकेगी।

नवरात्रि के अवसर पर IIM रोड स्थित 'द अवियान' में 'सात्विक उत्सव एवं स्पेशल थाली' का हुआ सफल आयोजन

अंगूरी रसमलाई और साबूदाना की टिक्की जैसी स्पेशल सात्विक डिशेज रहीं मुख्य आकर्षण, ९ प्रकार के व्यंजनों ने बढ़ाया स्वाद और उत्सव का अनुभव ।

लखनऊ में सात्विक फाइन डाइनिंग का अनूठा अनुभव, पारंपरिक स्वाद के साथ आधुनिक प्रेजेंटेशन ने जीता दिल।

लखनऊ : IIM रोड स्थित "द अवियान" द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित ' नवरात्रि सात्विक उत्सव एवं स्पेशल थाली ' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सात्विक व्यंजनों के साथ आध्यात्मिक माहौल का आनंद लिया।

IIM रोड स्थित "द अवियान " के जनरल मैनेजर आकाश सिंह राठौर ने कहा कि यह आयोजन केवल भोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव के रूप में उभरा, जिसने अतिथियों को नवरात्रि की वास्तविक भावना से जोड़ा । वहीं, असिस्टेंट फूड एंड बेवरेज (F&B) मैनेजर सुनीत कुमार सिंह ने बताया कि विशेष सात्विक थाली को अत्यंत सावधानी और शुद्धता के साथ तैयार किया गया, जिसे मेहमानों से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। भक्ति और स्वाद का सफल संगम प्रसून सिंह, एफ एंड बी मैनेजर (इवेंट्स एवं क्लब ऑपरेशंस) ने बताया कि नवरात्रि के अवसर पर क्रम रोड स्थित द अवियान होटल में विशेष सात्विक थाली तैयार की गई है। यह थाली बायोटिक और सात्विक कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जिसमें कुट्टू की पुरी, गल्फ फ्रूट्स, लस्सी सहित कई विशेष व्यंजन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस फेस्टिवल थाली का उद्देश्य मेहमानों को पारंपरिक स्वाद के साथ एक प्रीमियम और यादगार अनुभव देना है।

शेफ विजय, सू-शेफ* ने बताया कि नवरात्रि के इस विशेष अवसर पर मेहमानों के लिए खास सात्विक व्यंजनों की श्रृंखला तैयार की गई है, जिसमें स्पेशल डिश के रूप में अंगूरी रसमलाई और साबूदाना की टिक्की को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। इसके साथ ही कुल ९ प्रकार के सात्विक व्यंजन परोसे जा रहे हैं, जिनमें अंगूरी रसमलाई , साबूदाना की टिक्की ,कुट्टू की पूड़ी, पनीर नया विन, जीरा आलू, कट फ्रूट्स, स्वीट लस्सी, दूध की बर्फी और साबूदाना की खिचड़ी जैसे स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प शामिल हैं, जो व्रत के नियमों के अनुरूप शुद्ध और पौष्टिक है

इस आयोजन में प्रस्तुत की गई नवरात्रि स्पेशल सात्विक थाली खास आकर्षण का केंद्र रही। पारंपरिक व्यंजनों, शुद्ध सामग्री और भारतीय संस्कृति की झलक ने अतिथियों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

ढल्लर२३१८ द्वारा उ४४ल्ली (टडड) द्वारा क्यूरेट किए गए इस आयोजन में मेहमानों को शांतिपूर्ण वातावरण, उत्कृष्ट आतिथ्य और नवरात्रि की दिव्य भावना का अनुभव कराया गया। आयोजन का हर पहलू सुव्यवस्थित और आकर्षक रहा।

यह आयोजन आस्था, परंपरा और परिष्कृत स्वाद का एक सुंदर उदाहरण बनकर उभरा, जहाँ हर अतिथि को एक विशेष आध्यात्मिक और पाक अनुभव प्राप्त हुआ। उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे यादगार बताया।

केएम विश्वविद्यालय में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का पौधारोपण के साथ हुआ समापन : कुलाधिपति ने चिकित्सकों के साथ पौधा लगाकर की अनूठी पहल

-आंख हमारे शरीर और जीवन का महत्वपूर्ण अंग : किशन चौधरी

-पोस्टर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुलाधिपति ने प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

मथुरा(जीएनएस)।केएम विश्वविद्यालय के मेडिकल एंड हॉस्पिटल में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का समापन अनूठी पहल के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने अस्पताल के सभी विभागाध्यक्षों एवं पीजी-यूजी छात्र-छात्राओं के साथ पौधारोपण करके समापन किया। इससे पूर्व ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह की थीम ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए एकजुट होने को लेकर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन नेत्र रोग विभाग द्वारा किया गया तथा प्रतियोगिता विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर कुलाधिपति ने सम्मानित करते हुए कहा कि आंख हमारे शरीर और जीवन का महत्वपूर्ण अंग है, आंखों से ही मन में इच्छा जागृत होकर दिमाग को संकेत देती है, इसके बाद शरीर उस कार्य को करता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों से देश के भविष्य (एमबीबीएस) छात्रों को सीखनें को मिलेगा, क्योंकि शिक्षा के साथ विद्या मिल जाए तो व्यक्ति सफलताओं की ऊंचाईयों को छू लेता है। केएम मेडीकल कॉलिज एंड हॉस्पिटल द्वारा विश्व ग्लूकोमा सप्ताह समापन 'ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए एकजुट होना' विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रतिकुलपति फॉरेंसिक

मेडिसिन प्रो. डा. शरद अग्रवाल, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, एडीशनल मेडीकल सुपरिडेंट डा. नमित गौतम और डा. आरपी गुप्ता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर एवं माला पहनाकर किया। इस मौके पर मंच की अध्यक्षता एवं संचालन डा. यशी पांडेय ने किया। वहीं नेत्र रोग विभाग के चिकित्सकों द्वारा बनाई गई जागरूकता वीडियो को दर्शाया गया। नेत्र विभाग की प्रोफेसर डा. निधि जैन ने विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ग्लूकोमा को 'दृष्टि का मूक चोर' कहा जाता है, क्योंकि यह अक्सर बिना लक्षणों के धीरे-धीरे दृष्टि छीन लेता है और दुनियां में अपरिवर्तनीय अंधता का प्रमुख कारण है। बताया कि हर साल का बढ़ता आंकड़ा बताता है कि 2040 तक यह ग्लूकोमा 11 करोड़ लोगों को चपेट में ले लेगा। उन्होंने कहा कि ग्लूकोमा में आंख के अंदर का दबाव बढ़ने लगता है, जिससे आप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है। यह नर्व आंखों से दिमाग तक दृश्य संकेत पहुंचाने का काम करती है। यदि समय रहते बीमारी की पहचान नहीं हो पाती है तो धीरे-धीरे दृष्टि कम होने लगती है और स्थायी अंधापन भी हो सकता है। कहा कि 40 वर्ष की उम्र के पश्चात अपनी आंखों की नियमित जांच जरूर कराएं एवं जिन लोगों को डायबिटीज है अथवा घर में ग्लूकोमा का पारिवारिक इतिहास है तो आवश्यक रूप से ग्लूकोमा की जांच कराएं, क्योंकि इस रोग के निदान के लिए इसका जल्दी पता लगाना आवश्यक है, ताकि समय रहते इसको कंट्रोल किया जा सके। इसीक्रम में विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा कि इस बीमारी से परिवार और समाज के लोगों को जागरूक करना चाहिए और परेशान लोगों को अस्पताल लाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने जागरूकता कार्यक्रम के लिए नेत्र रोग विभाग की टीम को बधाई दी। वहीं प्रतिकुलपति फॉरेंसिक मेडिसिन प्रो. डा. शरद अग्रवाल ने नेत्र विभाग की टीम के जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की और ग्लूकोमा से बचाव के टिप्स सभी के साथ साझा किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में नेत्र रोग विभाग की चिकित्सा में असिस्टेंट प्रो. डा. निधि जैन, डा. गौहर जहां, डा. परिधि गुप्ता, डा. रवि सोनी, डा. नितिन धई, डा. हिमानी मिसूर्या, डा. आयुष पांडेय, डा. दिलीसा, डा. मनन कुमार, डा. यशी पांडेय, डा. अक्षय, डा. दीपक, डा. गुड़िया, डा. कुशाग्र गर्ग, डा. दिवांशी, डा. कूकू, डा. ऋषिका, डा. प्रतिक्षा, डा. सचिन का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर कुलाधिपति ने चिकित्सकों के साथ पौधारोपण किया। कार्यक्रम का समापन पर विश्वविद्यालय परिसर में कुलाधिपति किशन चौधरी ने स्नेह और दुलार के साथ पौधारोपण करके पौधों में पानी दिया। इसी प्रकार से अस्पताल के मेडीसन विभाग के एचओडी डा. आरपी गुप्ता, सर्जरी विभागाध्यक्ष डा. अजय अग्रवाल, स्त्री रोग विभाग से डा. ऐश्वर्या त्रिपाठी, हड्डी विभाग के डा. रामधन, रेडियोलॉजी से डा. हर्ष शांडिल्य, ईएनटी विभागाध्यक्ष डा. शिवांगी, स्कीन एचओडी डा. रामावतार बम्ब, टीबी चेस्ट विभाग से डा. सिद्धार्थ, नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डा. एमके तनेजा, मनोरोग विभागाध्यक्ष डा. नमित गौतम समेत अन्य विभागाध्यक्षों ने अपनी यूजी-पीजी इंटर्न टीम के साथ पौधारोपण किया और पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। इसीक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक से जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए इंटर्न छात्रों के मध्य एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करायी गई।

रेनुसागर पावर डिवीजन में राष्ट्रीय सुरक्षा माह के तहत पीपीई प्रतियोगिता का आयोजन

(एजेंसी)।

रेणुसागर (सोनभद्र)। हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर. पी. सिंह के मार्गदर्शन में हेड सुरक्षा अरविंद सिंह के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा माह के अवसर पर रेनुसागर पावर डिवीजन में सुरक्षा उपकरणों के उपयोग एवं उनके समुचित रख-रखाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'अपने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) को जानें' विषय पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कार्यस्थल पर व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पीपीई के विभिन्न प्रकार, उनके उपयोग, रख-रखाव एवं सुरक्षा मानकों से संबंधित जानकारी को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समझ एवं जागरूकता का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनकी प्रस्तुति, ज्ञान एवं व्यावहारिक समझ के आधार पर किया गया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रबंधन ने इस प्रकार के आयोजनों को भविष्य में भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि सुरक्षित कार्य संस्कृति को और सुदृढ़ किया जा सके।मूल्यांकन की भूमिका मनीष सिंह, ललित खुराना, सौम्या मिश्रा एवं मोहित सक्सेना ने निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन सुरक्षा विभाग से शैलेश श्रीवास्तव ने किया।

अवैध शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक युवक को कच्ची व देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, लोंहागपुर मजरे जहांगीर नगर गढ़ुरा गांव में काफी समय से एक युवक द्वारा अवैध कच्ची और देसी शराब की बिक्री किए जाने की सूचना मिल रही थी। त्योहारों के मद्देनजर उपनिरीक्षक ईश्वर चंद अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति अपने घर के बरामदे से अवैध शराब बेच रहा है।

सूचना पर उपनिरीक्षक ने आबकारी निरीक्षक रमेश कुमार सिंह के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 10 लीटर कच्ची शराब और 16 टेट्रा पैक देसी शराब बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी की पहचान नीरज कुमार श्रीवास्तव (39) पुत्र मंगल प्रसाद, निवासी ग्राम लोंहागपुर के रूप में हुई। आरोपी ने पूछताछ में अवैध शराब बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया।

प्रतिबंधित पेड़ों का कटान चरम पर, विभागीय सुस्ती से वन माफिया बेखौफ

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित प्रजाति के हरे पेड़ों का अवैध कटान इन दिनों चरम पर पहुंच गया है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की सुस्ती के चलते वन माफिया बेखौफ होकर पेड़ों की कटाई कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन बिगड़ने लगा है।

ताजा मामला तेंदुआ गांव का है, जहां वन माफियाओं ने बुधवार देर शाम एक हरे-भरे महुआ के विशाल वृक्ष को काटकर गिरा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में दिनदहाड़े प्रतिबंधित प्रजाति के पेड़ों की कटाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम साबित हो रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, वन विभाग की निष्क्रियता के चलते माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। कई बार शिकायतों और मीडिया में खबरें प्रकाशित होने के बाद भी कार्रवाई के नाम पर केवल जुर्माना लगाकर मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। कुछ मामलों में मुकदमा दर्ज होने की बात कही जाती है, लेकिन जब्त की गई लकड़ी कहां सुरक्षित रखी जाती है, इस पर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगातार हो रहे कटान से क्षेत्र का हरित आवरण तेजी से खत्म हो रहा है और गांव का वातावरण मरुस्थल में तब्दील होने की ओर बढ़ रहा है। इसके बावजूद प्रशासन और वन विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

इस संबंध में वन क्षेत्र अधिकारी विवेक शुक्ला से संपर्क करने उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित पेड़ महुआ कटान की सूचना प्राप्त हुई है टीम को मौके पर भेजा गया है अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

नवसंवत्सर के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

मथुरा(जीएनएस)।मेला स्थल में सायं को सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में रंगीली प्रतियोगिता, रूप सज्जा, सामूहिक नृत्य एवं एकल नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सामूहिक एवं एकल नृत्य में प्रतिभागियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मनमोह लिया। रूप सज्जा में विभिन्न स्वरूपों में सजे नन्हें-मुन्ने बच्चे सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। विभिन्न प्रतियोगिताएं संयोजक डा. सीमा मिश्रा, दीपा चतुर्वेदी, आरती शर्मा, प्रिया वशिष्ठ, रजनी भट्ट, अंजू गौतम और अनामिका दीक्षित के निर्देशन में हुई। इस अवसर पर डा. दीपा अग्रवाल एवं हरवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन शुरू

19 मार्च 2026: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (एचएमएसआई), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि 'द पावर ऑफ ड्रीम्स' के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है।

टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इस विस्तार के साथ, दूसरे प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। यह पहल 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

क्षमता विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, श्री त्सुत्सुमु ओटानी, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा, 'भारत मोबिलिटी परिवर्तन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, और एचएमएसआई की जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। टपूकड़ा में हमारे प्रोडक्शन इकोसिस्टम को मजबूत करना हमारी सप्लाई चेन में अधिक मजबूती, लचीलापन और भविष्य की तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विस्तार हमें बाजार की मांग के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा और लाखों ग्राहकों की आकांक्षाओं को समर्थन देने वाला मूल्य प्रदान करना जारी रखने में मदद करेगा। सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुलभ मोबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हम दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर केंद्रित हैं, जो मोबिलिटी को आगे बढ़ाने के साथ-साथ कंपनी की भविष्य की नींव को और मजबूत करेगा।'

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने कहा, 'राजस्थान विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। टपूकड़ा स्थित अपने प्लांट में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया द्वारा किया जा रहा क्षमता विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र में एचएमएसआई का निरंतर निवेश न केवल मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और क्षेत्र के ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के विकास में योगदान देगा। हम इस पहल का स्वागत करते हैं और मोबिलिटी, नवाचार तथा आर्थिक विकास में उद्योग के निरंतर योगदान की अपेक्षा करते हैं।'

एचएमएसआई भारत में चार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट संचालित करता है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 62.5 लाख यूनिट है। वर्ष 2001 में संचालन शुरू करने के बाद से कंपनी 7 करोड़ से अधिक यूनिट का उत्पादन कर चुकी है, जो भारत के मोबिलिटी सेक्टर के प्रति उसके पैमाने और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मई 2025 में की गई घोषणा के अनुसार, एचएमएसआई गुजरात के अहमदाबाद ज़िले के विठलापुर प्लांट में चौथी प्रोडक्शन लाइन जोड़ रहा है। यह नई लाइन 2027 में शुरू होने वाली है, जिसका काम योजना के अनुसार प्रगति पर है और यह एचएमएसआई के प्रोडक्शन नेटवर्क को और मजबूत करेगी।

दूसरे प्लांट ने जुलाई 2011 में 6 लाख यूनिट वार्षिक क्षमता के साथ संचालन शुरू किया था, जिसे मार्च 2012 में बढ़ाकर 12 लाख यूनिट कर दिया गया। 2023 से एचएमएसआई मशीनिंग में ऑटोमेशन और प्रोडक्शन एफिशिएंसी टेक्नोलॉजीज लागू कर रहा है, जिसके चलते वर्तमान वार्षिक क्षमता 13 लाख यूनिट हो गई है। इस एफिशिएंसी सुधारों को आगे भी जारी रखा जाएगा और वित्त वर्ष 2026 तक इसे 13.4 लाख यूनिट तक पहुंचाने की योजना है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

यूएस पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से बुरे होते जा रहे प.एशिया के हालात

अमेरिका और इजरायल के हमलों में अपने शीर्ष राजनेताओं एवं सैन्य अधिकारियों के मारे जाने से बौखलाया ईरान अब खाड़ी देशों के तेल भंडार, रिफाइनरीज और अन्य ऊर्जा ठिकानों पर सीधे निशाना साध रहा है। ईरान ने यूएई, सऊदी अरब और कतर के ऊर्जा ठिकानों पर हमले करके न सिर्फ खाड़ी देशों में हड़वंप मचा दिया है बल्कि विश्व समुदाय की ऊर्जा उपलब्धता को लेकर चिन्ता भी बढ़ा दी है। दरअसल अभी तो होर्मुज स्ट्रेट जलडमरूमध्य में दुनिया भर के जहाजों के आने-जाने पर प्रातिबंध लगाकर ईरान ने अफरातफरी का माहौल देखकर समझ गया कि दुनिया इतने से ही झुकने वाली नहीं है बल्कि जब तक तेल और गैस की समुचित आपूर्ति एवं उपलब्धता को बाधित नहीं किया जाता तब तक उसकी ताकत का कोई एहसास ही नहीं करेगा।

यह सच है ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने हमले करके पिछले बीस दिनों से उसके रणनीतिक प्रातिष्ठानों को तबाह कर दिया है। ईरान का आरोप है कि इन दोनों देशों ने एक तरफ तो तेहरान से बातचीत करने का अभिनय किया और जब ईरान के राजनेता और परमाणु वैज्ञानिक मीटिंग के लिए एकत्र हुए तो एक साथ ही सभी को उड़ा दिया गया। इसका मतलब है कि अमेरिका और इजरायल की किसी भी बात का भरोसा किया ही नहीं जा सकता। यही कारण है कि ईरान अब अमेरिका और इजरायल से किसी तरह की बात करने का इच्छुक ही नहीं है। लेकिन ईरान जिस तरह खाड़ी देशों पर झुंझलाकर उनकी रिफाइनरीज, तेल भंडार और अन्य ऊर्जा संसाधनों को तबाह करने पर आमादा है उससे तो यही लगता है कि अब ईरान युद्ध रोकने में खुद पहल करना तो दूर बल्कि वह युद्ध को चरम पर ले जाने के लिए आमादा है। ईरान अमेरिका और इजरायल के मित्र खाड़ी देशों को भी सबक सिखाने के लिए उन पर हमले कर रहा है और उसे यह भी पता है कि उसकी इसी कार्रवाई से दुनिया भर में तेल, गैस और पेट्रो उत्पादों का संकट पैदा हो गया जो भयंकर रूप धारण करने वाला है। ईरान को अभी जो सहानुभूति मिल रही है, कदाचित परेशान दुनिया जब अपने ऊर्जा संकट के कारकों की समीक्षा करेगा तो उसे ईरान ही खलनायक लगने लगेगा। खाड़ी देशों के अस्तित्व पर संकट आने पर वे सभी ईरान के खिलाफ एकजुटता के औचित्य को सिद्ध करने लगेंगे।

यह सच है कि ईरान इस बात को जानता था कि कभी न कभी उस पर अमेरिका और इजरायल हमला जरूर करेंगे। इसलिए वह अपनी रक्षा तैयारियां कर रहा था। किन्तु अमेरिका और इजरायल भी यह बात अच्छी तरह जानते थे कि उन्हें कभी न कभी ईरान के बारूदी जखीरों का सामना करना पड़ेगा। यही कारण है तैयारी दोनों तरफ से हो रही थी। अब स्थिति गंभीर इसलिए हो गई है कि न तो ईरान के साथ मुस्लिम देश हैं और न ही अमेरिका के साथ नाटो देश दृढ़ता से खड़े हैं। पहले अमेरिकी राष्ट्रपति इस बात को समझते थे कि यदि एक बार ईरान के साथ युद्ध में उलझ गए तो निकलना मुश्किल हो जाएगा किन्तु राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परिणाम के बारे में अनुमान लगाए बिना ही ईरान पर जोरदार हमला कर दिया, जिसका घातक परिणाम अब उन देशों को भुगतना पड़ रहा है जिनका इस युद्ध में कोई हित या संदर्भ जुड़ा ही नहीं है।

बहरहाल अब युद्ध में जो नया मोड़ आया है। वह अत्यन्त घातक साबित होने वाला है। युद्ध के मौजूदा हालत में खाड़ी के देश तो तबाह होंगे ही ईरान भी पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। इसलिए हर हाल में ईरान को रोकने का वूटनीतिक प्रायास होना चाहिए और यह जिम्मेदारी वे नहीं निभा पाएंगे जिन पर हमले का आरोप है बल्कि रूस, चीन और भारत को ही आगे आना चाहिए।

योग 365: दैनिक जीवन में स्वास्थ्य का समावेश, इस पहल का उद्देश्य योग को दैनिक आदत बनाना है

(जीएनएस)।

जब अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को पहली बार 2015 में विश्व स्तर पर मनाया गया, तो यह तेजी से विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य आंदोलनों में से एक बन गया। प्रति वर्ष 21 जून को, दुनिया भर के लाखों लोग पार्कों, संस्थानों और घरों में योग करते हैं।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने बताया, 'आयुष मंत्रालय का उद्देश्य उस एक दिवसीय उत्सव की भावना को आगे बढ़ाते हुए योग को दैनिक अभ्यास में बदलना है। यह सोच 'योग 365' के रूप में साकार हुई है, जो एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसका लक्ष्य योग को नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना है।'

इस पहल का औपचारिक अनावरण योग महोत्सव-2026 के शुभारंभ के दौरान किया गया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 के लिए 100 दिनों की उलटी गिनती की शुरूआत की। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने निःशुल्क दैनिक ऑनलाइन योग सत्र प्रदान करने के लिए वेलनेस प्लेटफॉर्म हैबिल्ड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

जागरूकता से लेकर कार्रवाई तक

श्री जाधव ने बताया, 'भारत में पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों के बारे में जागरूकता का स्तर पहले से ही बहुत ऊंचा है, लेकिन असली चुनौती इस जागरूकता को नियमित अभ्यास में बदलने में है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के अनुसार, ग्रामीण भारत में योग जैसी पारंपरिक प्रणालियों के बारे में जागरूकता 95 प्रतिशत और शहरी भारत में 96 प्रतिशत है। एनएसएस में यह भी पाया गया कि ग्रामीण भारत में लगभग 1.1 करोड़ परिवारों और शहरी भारत में लगभग 1.4 करोड़ परिवारों में कम से कम एक सदस्य नियमित रूप से योग का अभ्यास करता है।'

श्री जाधव ने जोर देकर कहा कि जागरूकता और व्यवहार के बीच के इस अंतर को ही योग 365 अभियान पाटने का प्रयास करता है। योग मानसिक स्पष्टता, शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन के लिए एक शक्तिशाली साधना है। योग 365 के माध्यम से हमारा प्रयास लोगों को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि स्वास्थ्य एक सामयिक कार्यकलाप के बजाय जीवन शैली बन जाए।

उन्होंने कहा कि यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के वैश्विक उत्सव ने जागरूकता पैदा करने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन अगला चरण समुदायों, संस्थानों और कार्यस्थलों में रोजमर्रा की जिंदगी में योग को समाहित करने के बारे में है।

365 दिनों की आदत

योगा 365 के पीछे की अवधारणा सरल लेकिन महत्वाकांक्षी है जो एक दिवसीय उत्सव से आगे बढ़कर पूरे वर्ष निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित करना है।

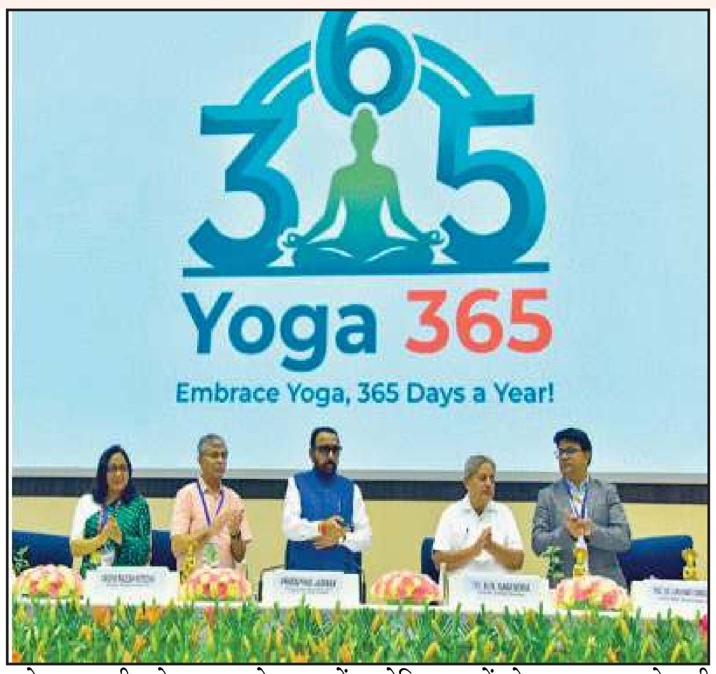

इस अभियान का उद्देश्य मिशन-मोड आउटरीच के माध्यम से समुदायों को संगठित करना, व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना और स्कूलों एवं कार्यालयों से लेकर पड़ोस के समूहों और डिजिटल प्लेटफार्मों तक विभिन्न स्थानों में योग को एकीकृत करना है।

हैबिल्ड के साथ साझेदारी इस अभियान की पहली व्यापक डिजिटल पहुंच का प्रतिनिधित्व करती है। यह प्लेटफॉर्म प्रतिदिन निःशुल्क ऑनलाइन योग सत्र आयोजित करेगा, जिससे भौगोलिक क्षेत्रों और फिटनेस स्तर की परवाह किए बिना लोगों के लिए निर्देशित अभ्यास सुलभ हो जाएगा।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, 'एनएसएस के 79वें दौर के अनुसार, शहरी भारतीयों में से 96 प्रतिशत लोग हमारी चिकित्सा प्रणालियों से परिचित हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम लोग ही इनका दैनिक अभ्यास करते हैं। योग 365, गैर-संक्रामक रोगों के लिए हाल ही में शुरू किए गए योग प्रोटोकॉल के साथ मिलकर, योग को अधिक सुलभ, व्यावहारिक और रोजमर्रा के स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिक बनाकर इस अंतर को पाटने का प्रयास करता है।'

एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य अभियान

डिजिटल सत्रों के अलावा, योग 365 एक व्यापक अभियान के रूप में काम करेगा जो आयुष मंत्रालय की योग से संबंधित कई पहलों को आपस में जोड़ेगा। इस कार्यनीति में दैनिक अभ्यास के अवसरों को बढ़ाने के लिए संस्थानों, कॉर्पोरेट संगठनों, सामुदायिक समूहों और शैक्षिक नेटवर्कों के साथ सहयोग शामिल है।

अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान व्यापक स्तर पर नागरिक सहभागिता, व्यवहार परिवर्तन संचार और संस्थागत एकीकरण पर केंद्रित होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि योग रोजमर्रा की दिनचर्या का एक स्वाभाविक हिस्सा बन जाए।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा डैश ने जोर देते हुए कहा, 'योग 365 पूरे देश में दैनिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। सामुदायिक भागीदारी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और संस्थागत सहभागिता को मिलाकर, इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योग हर घर तक पहुंचे और एक स्थायी जीवनशैली का हिस्सा बन जाए।'

योग 365: रोजमर्रा की जिंदगी में सेहत को अपनाएं

योगा 365 का उद्देश्य केवल पूरे वर्ष योग का अभ्यास करना ही नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के दैनिक जीवन में स्वास्थ्य को एकीकृत करना भी है। कॉर्पोरेट कर्मचारियों के लिए वाई-ब्रेक, आम जनता के लिए कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) और रोग प्रबंधन के लिए चिकित्सीय योग प्रोटोकॉल जैसी पहलें दशार्ती हैं कि योग कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, दैनिक फिटनेस और निवारक स्वास्थ्य देखभाल में कैसे सहायक हो सकता है। ये सभी प्रयास मिलकर योग को दैनिक जीवन में स्वास्थ्य और संतुलन सुधारने का एक व्यावहारिक साधन बनाने के व्यापक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं।

21 जून से आगे बाद

जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 निकट आ रहा है, योग 365 भारत के योग आंदोलन के अगले चरण का संकेत देता है - एक ऐसा चरण जो सार्वजनिक कार्यक्रमों और जनसभाओं से परे है।

पिछले एक दशक में, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक प्रतीकात्मक आयोजन से विकसित होकर एक शक्तिशाली वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन बन गया है। 2015 में समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के सामूहिक प्रयास के रूप में शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य और जीवनशैली पहलों में से एक बन गया है। वर्ष 2025 में योग दिवस के अवसर पर 26 करोड़ से अधिक लोगों की भागीदारी इस आंदोलन की बढ़ती पहुंच और गति को और भी स्पष्ट करती है। इससे यह पता चलता है कि योग किस प्रकार स्वास्थ्य, सद्भाव और सामूहिक कल्याण के लिए एक वैश्विक शक्ति के रूप में विकसित हुआ है।

यह विजन सरल लेकिन परिवर्तनकारी है: यदि लाखों लोग एक दिन के लिए योग करते हैं, तो वे इसका अभ्यास प्रतिदिन भी कर सकते हैं।

देश भर में पहले से ही विद्यमान जागरूकता को देखते हुए, योग 365 की सफलता संभवतः उस जागरूकता को एक सरल दैनिक आदत में बदलने की उसकी क्षमता में निहित है - एक ऐसी आदत जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सामूहिक कल्याण दोनों को सुदृढ़ करती है।

हांगकांग फिल्म मार्ट 2026: भारत पवेलियन ने मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को प्रदर्शित किया

एनएफडीसी, वैश्विक फिल्म बाजारों में सह-निर्माण समझौतों, व्यापार विनिमय और बाजार पहुंच के माध्यम से भारतीय रचनाकारों की सशक्त उपस्थिति सुनिश्चित कर रहा है (एजेंसी)।

हांगकांग इंटरनेशनल फिल्म एंड टीवी मार्केट (फिल्म मार्ट) 2026 में 'भारत पवेलियन', वैश्विक मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य में भारत की निरंतर बढ़ती उपस्थिति को और मजबूती प्रदान कर रहा है। यह पवेलियन अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव, व्यापारिक आदान-प्रदान और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

भारत पवेलियन का उद्घाटन हांगकांग और मकाऊ विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एसएआर) में भारत के महावाणिज्य दूत, श्री राजेश नायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने फिल्म, टेलीविजन और उभरते मीडिया क्षेत्रों में वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय प्रतिनिधिमंडल की उत्साहपूर्ण भागीदारी की भी सराहना की, जो भारत के मीडिया और मनोरंजन ईकोसिस्टम के प्रति बढ़ते वैश्विक आकर्षण का परिचायक है।

भारत पवेलियन का आयोजन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन सेवा निर्यात संवर्धन परिषद (एसईपीसी) और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। इस पहल को हांगकांग और मकाऊ (एसएआर) स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास का पूर्ण सहयोग प्राप्त है। उद्घाटन समारोह में एसईपीसी, एनएफडीसी और हांगकांग व्यापार विकास परिषद (एचकेटीडीसी) के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस पवेलियन में फिल्मों, टेलीविजन, एनिमेशन और उभरते मीडिया के क्षेत्रों में भारत की विविधतापूर्ण कंटेंट और निर्माण ईकोसिस्टम का भव्य प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के साथ बी2बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) बैठकों, सह-निर्माण पर चचाओं और नेटवर्किंग कार्यक्रमों को सुगम बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान 'वैश्विक कंटेंट परिदृश्य में फिल्मों का प्रभाव और उभरते अवसर' विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें उद्योग विशेषज्ञों ने बाजार में हो रहे की बदलावों और अन्य देशों के साथ सहयोग पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) भारतीय रचनाकारों के लिए सह-निर्माण, बाजार पहुंच और वितरण के अवसर सुलभ कराकर, प्रमुख वैश्विक फिल्म बाजारों में भारत को स्थापित करने में निरंतर एक केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।

पवेलियन के माध्यम से एनएफडीसी की आगामी प्रमुख पहलों को भी बढ़ावा दिया गया, जिसमें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) और वेव्स डॉक बाजार शामिल हैं। मुंबई के पेडर रोड स्थित एनएफडीसी परिसर में 15 जून 2026 से आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र डॉक्यूमेंट्री, एनीमेशन और शॉर्ट फिल्में होंगी। इसके अतिरिक्त, पवेलियन में भारत के प्रमुख मंचों जैसे भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (ईफ्फीक) और वेव्स फिल्म बाजार पर भी विशेष प्रकाश डाला गया, जिनका आयोजन नवंबर 2026 में गोवा में किया जाना है।

भारत पवेलियन भारत सरकार के उस समन्वित प्रयास का प्रतिबिंब है, जो नीति, उद्योग और वैश्विक पहुंच को एक सूत्र में पिरोता है। यह पहल भारत को वैश्विक मीडिया और मनोरंजन ईकोसिस्टम में एक प्रमुख और अनिवार्य साझेदार के रूप में मजबूती से स्थापित करती है।

प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स 2026: प्राइम वीडियो ने अब तक की अपनी सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल्स स्लेट पेश की, इसमें अलग-अलग प्रकार के फॉर्मेट और कई भाषाओं में बनी सीरीज और फिल्में शामिल हैं

मुम्बई, भारत में दर्शकों के मनोरंजन के सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज अपने 'प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स' कार्यक्रम में अब तक की सबसे बड़ी नई ओरिजिनल सीरीज और फिल्मों की घोषणा की। इसमें लगभग 55 नई सीरीज और फिल्में शामिल हैं। इसमें भारतीय ओरिजिनल कंटेंट की बड़ी सूची के साथ-साथ एमेजॅन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया की थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्मों और कई बड़ी लाइसेंस्ड फिल्मों की भी घोषणा की गई। यह आने वाला बहु-भाषा कंटेंट दर्शकों को हर जगह—स्ट्रीमिंग से लेकर सिनेमा तक मनोरंजन देगा ।

इस स्लेट में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में कई जबरदस्त ओरिजिनल सीरीज और फि ल्में शामिल हैं। इनमें स्क्रिप्टेड और अनस्क्रिप्टेड, दोनों तरह की कहानियों के अलग-अलग जॉनर देखने को मिलेंगे। इसमें कई नई और बहुप्रतीक्षित टाइटल्स शामिल हैं, जैसे निक्खिल आडवाणी की महान रचना द रिवोल्यूशनरीज, जिसमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पिरजादा नजर आएंगे; मटका किंग जिसमें विजय वर्मा हैं; राख जिसमें अली फजल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर हैं; लुक्खे, जिसमें रैपर किंग पहली बार एक्टिंग करते दिखेंगे; और वंश झ द कलयुग वॉरियर्स, जो भारत की पहली हिंदी सुपरहीरो सीरीज है, खास तौर पर स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई है। इन नई रिलीज के साथ-साथ, इस लाइनअप में भारत की कुछ सबसे लोकप्रिय सीरीज के नए सीजन भी वापस आ रहे हैं। इनमें 'फजी' सीजन 2, 'पंचायत' सीजन 5, 'कॉल मी बे' सीजन 2, 'दुपहिया' सीजन 2, 'दहाड़' सीजन 2 और ' द ट्रेटर्स' सीजन 2 जैसी कई सीरीज शामिल हैं।

अपने अब तक के सबसे बड़े क्षेत्रीय कंटेंट विस्तार के साथ, यह लाइनअप क्षेत्रीय कहानी कहने को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है। इसमें कई बड़े लॉन्च शामिल हैं, जैसे लोकप्रिय हिंदी अनस्क्रिप्टेड सीरीज, द ट्रेटर्स का तेलुगु संस्करण, जिसमें तेजा सज्जा होस्ट के रूप में नजर आएंगे; गुव्वला चेरुवु घाट, जो कि किरण अब्बावरम और थिरुवीर अभिनीत एक तेलुगु ड्रामा है; इसके अलावा तमिल ड्रामा एग्जाम, पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्मित वधांधी का सीजन 2, और इंस्पेक्टर ऋषि का सीजन 2 भी इस सूची में शामिल हैं।

इस लाइनअप में प्राइम वीडियो के लिए कई नए बड़े सहयोग भी शामिल हैं। ऋतिक रोशन की एचआरएक्स फिल्म्स अब पहली बार स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रख रही है, जिसमें ओरिजिनल सीरीज स्टॉर्म और ओरिजिनल फिल्म मेस शामिल हैं। वहीं आलिया भट्ट की इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस भी ओरिजिनल फिल्म डोंट बी शाय लेकर आ रही है। अनुभवी कहानीकारों और नए उभरते क्रिएटर्स का यह मिश्रण अब भारत और दुनिया भर के दर्शकों के लिए मनोरंजन का नया अनुभव तैयार कर रहा है।

इस लाइनअप की एक खास झलक एमेजॅन एमजीएम स्टूडियो की थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्मों की घोषणा भी रही, जिसमें पांच नई भारतीय फिल्में शामिल हैं: रफ्तार, जिसमें राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश हैं, और इसका निर्देशन आदित्य निम्बालकर ने किया है; कुनाल खेमू की डायरेक्टोरियल फिल्म वाइब, जिसमें खुद कुनाल खेमू, प्रीति जी जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव नजर आएंगे; दिलकशी, जिसका निर्देशन लिजो जोस पेलिसरी ने किया है, प्रोड्यूस हंसल मेहता और साहिल सैगल ने किया है, और इसका म्यूजिक ए.आर. रहमान ने दिया है; नई नवेली, जिसमें यामी गौतम हैं, निर्देशन बालाजी मोहन का है और प्रोड्यूसर आनंद एल. राय हैं; और कुकू की कुंडली, जिसका निर्देशन शरण शर्मा ने किया है और इसमें भुवन बाम और वामिका गब्बी नजर आएंगे। सिर्फ थिएटर रिलीज ही नहीं, इस लाइनअप में कई भारतीय भाषाओं की लाइसेंस्ड फिल्मों की भी बड़ी सूची शामिल है, जो थिएटर में रिलीज होने के बाद प्राइम वीडियो पर डिजिटल प्रीमियर के रूप में आएंगी। यह दर्शकों को एक दमदार और सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है।

'यह स्लेट प्राइम वीडियो इंडिया के नए दौर की शुरूआत को दशार्ती है और अद्वितीय कंटेंट विविधता प्रदान करती है,' शिलांगी मुखर्जी, डायरेक्टर एवं हेड ऑफ रशडऊ बिजनेस, प्राइम वीडियो इंडिया ने कहा। 'भारत, प्राइम वीडियो की वैश्विक वृद्धि के केंद्र में बना हुआ है और 2025 में नए प्राइम सदस्यों को जोड़ने के मामले में यह दुनिया के टॉप क्षेत्रों में से एक है। हमारे लगभग दो-तिहाई ग्राहक चार से अधिक भाषाओं में कंटेंट देखते हैं, जो विविध कहानी कहने की बढ़ती मांग को दशार्ता है। और हमारा भारतीय कंटेंट वैश्विक स्तर पर भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है — 2025 में सबसे अधिक देखे गए टॉप 50 गैर-अंग्रेजी टाइटल्स में से आधे से अधिक प्राइम वीडियो इंडिया से थे।'

'प्राइम वीडियो ने लगातार उद्योग में नवाचार का नेतृत्व किया है और साहसिक कहानी कहने को समर्थन दिया है। देश की अपार रचनात्मक प्रतिभा पर हमारे विश्वास ने हमें न केवल उभरती आवाजों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाया है, बल्कि भारत के सबसे प्रतिष्ठित रचनाकारों के साथ मजबूत संबंध भी विकसित किए हैं,' प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर एवं हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल मधोक ने कहा। 'हम अपने आगामी स्लेट को प्रस्तुत करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं, जो अब तक का हमारा सबसे बड़ा ओरिजिनल लाइनअप है, साथ ही एमेजॅन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया की रोमांचक थिएटर फि ल्मों की सूची भी इसमें शामिल है। हम उच्च-गुणवत्ता वाली कहानी कहने के मानकों को लगातार ऊंचा कर रहे हैं, ऐसी कथाओं के साथ जो सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई, सहज रूप से समझने योग्य और वैश्विक स्तर पर आकर्षक हैं।'

आगामी टाइटल्स की जानकारी अलग से परिशिष्ट में दी गई है। टाइटल्स की सूची, क्रेडिट्स, मुख्य पोस्टर और कार्यक्रम की तस्वीरें देखने के लिए यहां क्लिक करें।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 'महिला विशेष हिंदी कार्यशाला' का आयोजन

19 मार्च, 2026: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय में एक दिवसीय "महिला विशेष हिंदी कार्यशाला" का आयोजन किया गया. श्री आशीष पाण्डेय, बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, तथा श्री नितेश रंजन,बैंक के कार्यपालक निदेशक,की गरिमामयी उपस्थिति में इस समारोह का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर, श्री हरीश सिंह चौहान, भारत सरकार के गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, नवी मुंबई के उप निदेशक (कार्यान्वयन) एवं कार्यालय प्रमुख, मुख्य अतिथि रहे; जबकि सुश्री चित्रा देसाई, लेखिका एवं अधिवक्ता, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. कार्यक्रम के दौरान, बैंक में हिंदी के प्रचार-प्रसार और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिला कार्यपालकों को सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर उपस्थित कार्यपालकों द्वारा बैंकिंग कार्यों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग पर जोर दिया और बताया कि इस डिजिटल युग में, ई-टूल्स और तकनीकी संसाधनों के उपयोग से राजभाषा में कार्य करना अधिक सरल और प्रभावी हो गया है. उन्होंने ग्राहक सेवा में मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका को रेखांकित किया, तथा महिला नेतृत्व विकास, बदलते बैंकिंग परिदृश्य और कार्य संस्कृति में समन्वय के महत्व पर जोर दिया. मुख्य अतिथि, श्री हरीश सिंह चौहान द्वारा भारत सरकार के राजभाषा नियमों और अधिनियम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई. इस अवसर पर विशेष अतिथि, सुश्री चित्रा देसाई ने "महिला सशक्तिकरण" विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया.

इस कार्यशाला का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था तथा महिला कर्मचारियों को प्रेरित एवं सम्मानित करना था. अंत में, कार्यशाला के दौरान आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.

पंजाब नैशनल बैंक ने एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए 'डिजी एमएसएमई प्राइम' लॉन्च किया

19 मार्च 2026: सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ऋण पहुंच को सरल और त्वरित बनाने के उद्देश्य से एक उन्नत डिजिटल लेंडिंग समाधान 'डिजी एमएसएमई प्राइम' लॉन्च किया है।

यह नई पहल 'स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग' मॉडल पर आधारित है, जो ऋण प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को कम करती है। इससे न केवल ऋण स्वीकृति की गति बढ़ेगी, बल्कि

वितरण भी तेजी से सुनिश्चित होगा। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से पात्र एमएसएमई इकाइयां ₹10 करोड़ तक का ऋण प्राप्त कर सकती हैं।

'डिजी एमएसएमई प्राइम' की मुख्य विशेषता इसकी सुव्यवस्थित पात्रता प्रक्रिया है, जो मुख्य रूप से जीएसटी टर्नओवर और व्यावसायिक नकदी प्रवाह पर आधारित है। इससे उद्यमियों को बोझिल दस्तावेजीकरण से राहत मिलेगी और कम से कम कागजी कार्रवाई में ऋण उपलब्ध होगा।

***

महादेव शिव मंदिर से सुनासर तक भव्य कलश यात्रा रवाना, नवरात्रि में महायज्ञ-लीलाओं की धूम

(एजेंसी)।

पूरनपुर,पीलीभीत। जनपद के विकासखंड पूरनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मढ़ा खुर्द कला के मौजा महादेव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण से नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य कलश यात्रा रवाना हुई। यह श्रद्धामयी यात्रा सुनासर की ओर प्रस्थान कर वहां से जल लेकर मंदिर लौटेगी। मातृशक्ति और भक्तगणों ने सिर पर कलश धारण कर जयकारों व मंगलगान के साथ भक्ति में डूबे नजर आए। पूरा वातावरण 'जय माता दी' के उद्घोषों से गूंज उठा।

विश्व शांति, जनकल्याण व सुख-समृद्धि की कामना के लिए माँ शतचंडी महायज्ञ गुरुवार 19 मार्च 2026 से शुरू होकर शुक्रवार 27 मार्च 2026 तक चलेगा। यज्ञ में वेद मंत्रों की ध्वनि और हवन की आहुतियों से क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहेगा। इसके अलावा वृंदावन धाम मथुरा के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा श्री रासलीला व श्री रामलीला का मंचन प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तथा रात 8 से 11 बजे तक होगा। इनके माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं व मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श जीवंत होंगे। कलश यात्रा में क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों समेत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साह से भाग लिया। आयोजकों ने सभी क्षेत्रवासियों से यज्ञ व धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता की अपील की है, ताकि माँ का आशीर्वाद प्राप्त कर जीवन को धर्म-मयार्दा से आलोकित किया जा सके।

आप ने लखनऊ में धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह, सांसद संजय सिंह रहे मौजूद

नफरत की राजनीति में उलझाकर जनता को असली मुद्दों से भटका रही है भाजपा: संजय सिंह

गांधी के देश की पहचान प्रेम, भाईचारे और नैतिकता से है, गोडसे से नहीं

होली-ईद मिलकर मनाने से ही देश मजबूत होगा, वैज्ञानिक सोच विकसित करनी होगी

(एजेंसी)।

लखनऊ। 19 मार्च 2026 को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के कार्यकताओं ने गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में होली मिलन समारोह बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लेकर फूलों की होली खेली और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि भारत की पहचान महात्मा बुद्ध, महात्मा गांधी और भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं से है, जिन्होंने प्रेम, अहिंसा और नैतिकता का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि विश्व गुरु बनने के लिए नैतिक मूल्यों पर मजबूती से खड़ा होना जरूरी है, न कि

झूठ और नफरत की राजनीति से उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत की पहचान गांधी के देश के रूप में है, न कि गोडसे की विचारधारा से है संजय सिंह ने कहा कि देश इस समय गंभीर चुनौतियों से गुजर रहा है, लेकिन भाजपा सरकार जनता को हिंदू-मुस्लिम विवादों में उलझाकर उनके असली मुद्दों से ध्यान भटका रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में एक लाख से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, अस्पतालों की हालत इतनी खराब है कि कई जगह मोमबत्ती की रोशनी में ऑपरेशन हो रहे हैं और एंबुलेंस के अभाव में महिलाओं को सड़क किनारे प्रसव के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे उनकी जान तक चली जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री को निर्भीक और मजबूत होना चाहिए, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी स्थिति कई बार चिंताजनक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस अंधेरे में उम्मीद की वह किरण है जो नफरत की राजनीति को खत्म करके ही दम लेगी कार्यक्रम के अंत में संजय सिंह ने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे होली, ईद, दशहरा और दिवाली जैसे सभी त्योहार मिलजुल कर मनाएं और समाज में फैल रही नफरत को खत्म करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं उन्होंने सभी को होली और ईद की शुभकामनाएं देते हुए वैज्ञानिक सोच विकसित करने और देश के विकास के लिए मिलकर काम करने का आ'ान किया। इस अवसर पर निवर्तमान महासचिव दिनेश पटेल, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह, मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे, ब्रज कुमारी, अतुल सिंह, अंकुश चौधरी, ब्रज प्रांत अध्यक्ष डॉ. हृदेश चौधरी, नूर सिद्दकी, जुगराज सिंह, अवधेश मौर्य, कुलदीप यादव, बेटा लाल दिवाकर, सुभाष सोनी, अनुराग, संतोष रस्तोगी, मनोज मिश्रा, ज्ञान सिंह, सुभाषिनी मिश्रा, इस्मा जहीर, पंकज यादव प्रशांत यादव और अजय पंडित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीलीभीत में सास-प्रेमी का शर्मनाक खेल: बहू पर दुष्कर्म, वीडियो ब्लैकमेल से एफआईआर

(एजेंसी)।

पीलीभीत,एक विवाहिता ने अपनी सास और उसके प्रेमी पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला बरखेड़ा थाना क्षेत्र का है।

पीड़िता के अनुसार, उसके ससुर की मौत हो चुकी है। उसका पति दूसरे शहर में नौकरी करता है। जिससे वह घर में सास के साथ अकेली रहती थी। आरोप है कि सास के सुनील नामक युवक से अवैध संबंध थे। वह उसे अक्सर घर बुलातीथी।

पीड़िता ने बताया कि एक दिन उसने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। इसके बाद आरोपी सुनील ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। जबकि सास ने मदद करने के

बजाय घटना का वीडियो बना लिया।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी

आरोप है कि इस वीडियो के जरिए पीड़िता को धमकाया गया कि यदि उसने किसी को बताया तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा। इसी आधार पर उसे लगातार ब्लैकमेल किया गया। कई बार दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि बाद में उसे बहाने से खटीमा ले जाया गया। जहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर तीन दिन तक बंधक बनाकर रखा गया। उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर पीड़िता अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई।

थाना बरखेड़ा के प्रभारी निरीक्षक प्रमेंद्र कुमार ने बताया-

" पीड़िता की तहरीर पर सास और उसके प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश जारी है।

बीसलपुर में जीएसटी का बड़ा छापा: पवन मार्बल्स और अनिल आयरन स्टोर पर कार्रवाई, जांच शुक्रवार तक पूरी होने की संभावना

(एजेंसी)।

पीलीभीत जनपद के बीसलपुर कस्बे में जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई से बाजार में हड़कंप मच गया है। विभाग की दो टीमों ने कस्बे के प्रमुख प्रतिष्ठान पवन मार्बल्स और अनिल आयरन स्टोर पर एक साथ छापेमारी कर जांच शुरू की।

मिली जानकारी के अनुसार, डिप्टी कमिश्नर जीएसटी अनिरुद्ध सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीमों ने दोनों प्रतिष्ठानों के दस्तावेज, बिलिंग रिकॉर्ड और लेन-देन से जुड़े कागजातों की गहन जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई

के दौरान पवन मार्बल्स से जरूरी दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिनके आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

इस कार्रवाई में असिस्टेंट कमिश्नर वेदप्रकाश शुक्ला, सीडीओ ताराचंद्र और सीडीओ प्रदीप कुमार सिंह सहित विभाग की टीमें संयुक्त रूप से काम कर रही हैं।

अचानक हुई छापेमारी से बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कई व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और मौके से निकल गए।

सूत्रों के अनुसार, जीएसटी विभाग को लंबे समय से टैक्स अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि जांच तेजी से जारी है और शुक्रवार तक पूरी होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

फिलहाल बीसलपुर के व्यापारियों में इस कार्रवाई के बाद भय और चिंता का माहौल बना हुआ है।

पीलीभीत में भाजपा की नई जिला कार्यकारिणी घोषित: प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष ने लिस्ट जारी की

(एजेंसी)।

पीलीभीत`भारतीय जनता पार्टी ने आगामी संगठनात्मक कार्यों और चुनावी चुनौतियों को देखते हुए पीलीभीत की नई जिला कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा कर दी है। ब्रज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पीलीभीत के लिए यह सूची प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के बाद जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य द्वारा जारी की गई।

नई कार्यकारिणी में अनुभव और युवा ऊर्जा का बेहतरीन समावेश किया गया है। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि यह टीम केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम करेगी।

संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां

जिसमें 8 जिला उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। जिनमें आयुष मिश्रा, विकास श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, रेखा सिंह परिहार, लेखराज भारती, मान सिंह

राठौर, नमन प्रताप सिंह और अतेन्द्र पाल सिंह शामिल हैं। संगठनात्मक कार्यों के संचालन के लिए महादेव गायन, मंगली प्रसाद वर्मा और अनुराग अग्निहोत्री को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

टीम में 8 मंत्रियों को शामिल किया गया है, जिनमें सतपाल वर्मा, अमित कुशवाहा, विकास बाल्मीकि, नागेन्द्र प्रताप सिंह, पंकज तिवारी, रेनू राज, रिचा सिंह पटेल सिंह और श्रृष्टि गुप्ता शामिल हैं। विकास पाल सिंह को जिले के कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

मुख्य पदाधिकारियों के अलावा 68 सदस्यों की एक विशाल जिला कार्यसमिति भी गठित की गई है। इस सूची में साकेत सक्सेना, सुमित गंगवार, परमजीत कौर, डॉ. अनुरिता सक्सेना और भीम सिंह चौहान जैसे नामों सहित समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकताओं को स्थान मिला है।

मिशन 2027 की तैयारी

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई कार्यकारिणी के जरिए भाजपा ने अपनी पकड़ को और मजबूत करने की कोशिश की है। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कहा, हमारी नई टीम पूरी निष्ठा के साथ संगठन के सिद्धांतों पर काम करेगी। हम सभी मिलकर पीलीभीत में भाजपा के विजय रथ को और तेजी से आगे बढ़ाएंगे।

पीलीभीत में शव गांव पहुंचते ही भड़के परिजन: सड़क हादसे में 3 की हुई थी मौत, अंतिम संस्कार से किया इनकार; विधायक ने दी सांत्वना

(एजेंसी)।

पीलीभीत में बुधवार को कार और ई-रिक्शा की जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौत के बाद गुरुवार को गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही अन्नपूर्णा देवी, उनके बेटे राहुल और रामवती के शव गांव पहुंचे, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

गुस्साए ग्रामीणों ने कार चालक की गिरफ्तारी और मौके पर मौजूदगी की मांग को लेकर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। मामला दियोरिया थाना क्षेत्र का है।

नेताओं और प्रशासन ने संभाला मोर्चा

स्थिति तनावपूर्ण होने की सूचना पर क्षेत्रीय विधायक विवेक वर्मा और पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाया और हर संभव सरकारी मदद दिलाने का आश्वासन दिया।

विधायक ने एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय को निर्देश दिए कि

मृतकों के आश्रितों को मिलने वाली सहायता राशि की प्रक्रिया जल्द पूरी कराई जाए। हादसे में घायल करीब एक दर्जन लोगों का इलाज चल रहा है। प्रशासन ने डॉक्टरों को सभी घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं।

मेला जा रहे थे सभी लोग

जानकारी के अनुसार, थाना बिलसंडा क्षेत्र के ग्राम बबूरा निवासी लोग अमावस्या के अवसर पर ई-रिक्शा से कोतवाली दियोरिया क्षेत्र के इलाहवास देवल गांव में लगने वाले मेले में जा रहे थे। जैसे ही ई-रिक्शा वीरसिंहपुर गांव के मोड़ के पास पहुंचा, सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए।

परिजनों ने बताई दर्दनाक आपबीती

मृतक रामवती की बेटी आरती देवी ने बताया कि उनके परिवार के पांच लोग मेले में जा रहे थे। जिसमें उनकी मां की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं श्रीपाल ने बताया कि इस हादसे में उनकी पत्नी अन्नपूर्णा और बेटे राहुल की मौत हो गई, जबकि उनका दूसरा बेटा अस्पताल में भर्ती है और बेटी के हाथ-पैर टूट गए हैं।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अंतिम संस्कार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समझाने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान विधायक विवेक वर्मा, पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा, एसडीएम नागेंद्र पांडेय, सपा नेता हरिपाल लोधी और शांतन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और नम आंखों से मृतकों को अंतिम विदाई दी।

पीलीभीत में देवहा नदी किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी

पीलीभीत में देवहा नदी किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों का कहना है कि वह मजदूरी करने घर से निकला था और नशे का आदी था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

वी आर द फ्यूचर,ब्यूरो रिपोर्ट:नवल शर्मा पीलीभीत

पीलीभीत,सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम बेहरीखेड़ा में देवहा नदी पर बने एक अस्थाई लकड़ी के पुल के पास गुरुवार सुबह एक युवक का शव मिला। राहगीरों और ग्रामीणों ने शव देखकर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही सुनगढ़ी के प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू की। मृतक की पहचान पड़ोसी थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण के रूप में हुई। मृतक की पहचान जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हिमकरनपुर निवासी 40 वर्षीय जीशाचरण पुत्र रामचरण के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि

जीशाचरण बुधवार सुबह करीब नौ बजे पीलीभीत शहर मजदूरी करने के लिए घर से निकला था।

जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों को आशंका थी कि काम की अधिकता के कारण वह कहीं रुक गया होगा, लेकिन गुरुवार सुबह उसकी मौत की खबर घर पहुंची।

ग्रामीणों और परिजनों के अनुसार, मृतक अविवाहित था और उसे नशे की लत थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच और घटनास्थल के निरीक्षण से यह आशंका जताई जा रही है कि बुधवार रात या गुरुवार तड़के लकड़ी का संकरा पुल पार करते समय संतुलन बिगड़ने या पैर फिसलने से वह नदी में गिर गया होगा।

प्रभारी निरीक्षक सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह एक हादसा प्रतीत होता है। संभवतः गिरने के बाद चोट लगने या पानी के किनारे अटक जाने के कारण उसकी मौत हुई होगी, क्योंकि शव पूरी तरह पानी में डूबा हुआ नहीं मिला।

पुलिस ने शुरू की कानूनी कार्रवाई घटना की सूचना पर पहुंची थाना सुनगढ़ी पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस परिजनों के बयानों और परिस्थितियों के आधार पर मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पीलीभीत में मजदूर की सीढ़ियों से गिरकर मौत: रेत का भारी कट्टा सिर पर लाते समय पैर फिसला, 3 मासूम बच्चे हुए बेसहारा

(एजेंसी)।

पीलीभीत के थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम धुंधरी में गुरुवार सुबह एक मजदूर की घर की सीढ़ियों से गिरकर मौत हो गई। वह छत पर सामान ले जा रहा था, तभी उसका पैर फिसल गया। पुलिस ने घटना की जानकारी ली है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है।

मृतक की पहचान धंधरी निवासी महेंद्र पाल (42) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह महेंद्र अपने घर के दैनिक कार्यों में व्यस्त थे। वह रेत से भरा एक भारी कट्टा सिर पर रखकर घर की छत पर ले जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक, महेंद्र अभी सीढ़ियों की तीसरी पायदान तक ही पहुँच पाए थे कि अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसल गया। भारी कट्टे के वजन के साथ वह सीधे कंक्रीट के फर्श पर जा गिरे। इस दौरान उनके सिर और शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिससे वह मौके पर ही अचेत हो गए।

हादसे के तुरंत बाद परिजन और ग्रामीण घायल महेंद्र पाल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहाँ आपातकालीन वार्ड में तैनात चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद महेंद्र को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, ऊंचाई से गिरने और भारी वजन के दबाव के कारण लगी अंदरूनी चोटें घातक सिद्ध हुईं।

मृतक महेंद्र पाल गांव में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी असामयिक मृत्यु से उनकी पत्नी कमलेश और परिवार सदमे में है। महेंद्र अपने पीछे तीन मासम बच्चों को छोड गए हैं. जिनमें

बड़ा बेटा संजय (15 वर्ष), छोटा बेटा शिवा (13 वर्ष) और पुत्री प्रीति (11 वर्ष) शामिल हैं। पिता की मृत्यु के बाद अब इस परिवार के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

सहायक पुलिस अधीक्षक (अरढ) नताशा गोयल ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह सीढ़ियों से गिरने के कारण हुआ एक दुखद हादसा है। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में शाहजहांपुर के युवक का फंदे से लटका मिला शव

(एजेंसी)।

पीलीभीत। बरखेड़ा के गांव अरसियाबोझ में शाहजहांपुर के थाना कांठ के गांव दिलावरपुर निवासी 22 वर्षीय पिंकू पुत्र वीरेंद्र कुमार का संदिग्ध परिस्थितियों गांव के बाहर पेड़ पर शव लटका मिला।

मृतक के पिता वीरेंद्र कुमार ने बताया कि पिंकू मंगलवार की सुबह अपने घर से गांव अरसियाबोझ स्थित अपनी ननिहाल आया था। बुधवार को पिंकू अपने मामा कि बाइक लेकर

इलावास देवल में मेला देखने गया। मेला में उसकी बाइक चोरी हो गईं। बाइक चोरी के डर से पिंकू अपनी ननिहाल नहीं लौटा, तो रिश्तेदारो ने खोजबीन शुरू की। उन लोगों कों जानकारी मिली, तो वह लोग भी रात में ही अरसियाबोझ पहुंचे और पिंकू की खोजबीन की इलावास

देवल में भी उसकी तलाश की। मगर उसका कहीं पता नहीं चला। सुबह करीब नौ बजे के आसपास फंदा लगा ली। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।